(d) if so, the details thereof; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (DR. BOLLA BULI RAMAIAH): (a) Yes, Sir. In comparison to India's exports to Kenya at the level of Rs. 385. 26 crores in 1994-95, it touched the mark of Rs. 816.68 crores during 1995-96 reflecting an increase of approximate 112%.

(b) A Statement is enclosed (*see* below).

(c) to (e) It is the endeavour of the Govt. to expand trade with potential African markets including Kenya by way of:-

— exchange of industry and trade delegations;

— holding of exclusive Indian exhibitions/fairs;

— holding of periodical official level bilateral discussions to resolve bottle-necks;

— holding of regional conferences of commercial representatives of Indian Missions to identify emerging opportunities.

Statement

India's Export to Kenya

(Rs. in crore)

S., No.	Major items	Apr. 94—Mar. 95	Apr. 95— Mar. 96
1.	Rice (other than Basmati)	39.73	305.77
2.	Transport equipments	57.31	78.74
3.	Machinery & instruments	49.43	63.14
4.	Drugs, pharmaceuticals & fine chemicals	43.26	59.63
5.	Primary & Semi Finished Iron & Steel	15.31	42.51
6.	Wheat	—	37.91
7.	Manufactures of Metals	15.15	22.06
8.	Plastic & Lenoleum Products	10.29	20.22
9.	Glass/Glassware/Ceremics/Reflectors/Cement	7.14	16.59
10.	Iron & Steel Bar/Rod etc.	5.69	12.79
11.	Misc. Processed Items	0.68	6.86
12.	Processed Minerals	0.85	6.35

मध्य प्रदेश में धान से चावल प्राप्ति की दर

1529. श्री राघवजी: क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: ●

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने मध्य प्रदेश के मामले में धान से चावल प्राप्ति की दर 66 से 67 प्रतिशत निर्धारित की है;

(ख) यदि हां, तो उस निर्धारण का आधार क्या है; और

(ग) देश के विभिन्न भागों में इस दर के संबंध में राज्यवार ब्यौरा क्या है?

खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव): (क) से (ग) भारत सरकार ने धान से रा चावल की प्राप्ति (आउट टर्न) का अनुपात 67 प्रतिशत और सेला चावल की प्राप्ति का अनुपात 68 प्रतिशत निर्धारित किया है जो विभिन्न राज्यों में किए गए ट्रायल मिलिंग प्रयोगों और इस प्रयोजन के लिए नियुक्त की गई विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर आधारित है तथा खरीफ विपणन मौसम 1995-96 के मध्य प्रदेश सहित सभी राज्यों में सभी समूहों के चावल के लिए एक-समान रूप से लागू है।